वर्ष-8 | अंक 36 | 29 अप्रैल से 05 मई 2024 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मूल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

तुम्हारी शादी क्रिश्चियन से हुई; वोट के चक्कर में अपना सरनेम भूली

सीएम बोले- प्रियंका गांधी शादीशुदा, फिर भी मंगलसूत्र नहीं पहनती

उदय प्रताप सिंह चौहान

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को लेकर कहा कि वो शादीशुदा होने के बावजूद मंगलसूत्र नहीं पहनती। सीएम ने कहा कि हमारे यहां बेटी विदा हो जाए तो ससुराल का सरनेम लगा लेती है। लेकिन वोट के चक्कर में ये अपना सरनेम भूल रहे हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव शनिवार को गुना लोकसभा क्षेत्र के बमोरी के म्याना गांव में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- एक नादान अभी बोल रही है कि मंगलसूत्र का मोदी से क्या लेना देना। तुम्हारी शादी कहां हुई। तुम्हारी शादी तो क्रिश्चियन के यहां हुई। चलो हमारे प्रधानमंत्री की तो शादी नहीं हुई। तुमने तो दुर्भाग्य से शादी भी वहां नहीं की। नेहरू जी की आत्मा आंसू बहा रही होगी कि मेरे घर में कहां की पोती पैदा हो गई, जो मंगलसूत्र तक नहीं पहनती, शादीशुदा होने के बाद। सीएम ने आगे कहा- हमारे यहां तो बेटी विदा हो जाए, तो जो वहां का सरनेम होता है, वो लगा लेती है। लेकिन ये वोट के भूखे लोग, वोट के चक्कर में सरनेम भूल रहे हैं। आज भी गांधी लगा के घूम रहे हैं। प्रियंका भी गांधी हो गई। असली गांधी के बच्चे बेचारे पता नहीं आज भी कहां होंगे, ये नकली गांधी वोट के चक्कर में गांधी-गांधी के नाम पर वोट ले रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा था- कांग्रेस आपके मंगलसूत्र भी नहीं छोड़ेगी

रविवार को पीएम मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में सभा को संबोधित करते हुए कहा था- 'मेरी माताओं और बहनों, वे आपके मंगलसूत्र को भी नहीं छोड़ेंगे। कांग्रेस का घोषणापत्र कहता है कि वे आपके सोने के बारे में जानकारी करेंगे, और फिर उसे बांट देंगे। वो किसे बाटेंगे? आपकी प्रॉपर्टी को उन लोगों में बांटा जाएगा, जिनके ज्यादा बच्चे हैं। ये घुसपैठियों को बांटा जाएगा। पीएम मोदी अपनी चुनावी सभाओं में इस मुद्दे को जोरशोर से उठा रहे हैं। प्रियंका गांधी ने इस पर पीएम मोदी को जवाब दिया था। जिसे लेकर सीएम डॉ. मोहन यादव ने उन पर निशाना साधा है।

गोपाल के नाम पर चाहिए आपका वोट: सीएम

सीएम मोहन यादव ने कहा कि 2014 का वोट आतंकवाद के खात्मे के लिए थे। आपने ताकत दी। पड़ोसी देश बहुत बम फोड़ता था। आपकी ताकत देने का नतीजा ये हुआ कि उन्होंने हमारे सोते हुए सैनिकों पर हमला किया तो हमने घर में घुसकर आतंकियों को खत्म किया। दूसरा वोट आपने धर्म और संस्कृति के लिए दिया था। आपने ताकत दी तो राम मंदिर का न सिर्फ फैसला हुआ, उसका भूमिपूजन हुआ और प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। अब आपका तीसरा वोट गोपाल के लिए चाहिए। अब तो मथुरा वाले बुला रहे हैं।

गुना-शिवपुरी से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया शनिवार को जनसंपर्क के दौरान बिना शेड्यूल अचानक बिलोकलां गांव पहुंच गए। यहां उन्होंने सबसे पहले ग्रामीणों से चर्चा की और फिर 10वीं क्लास में जिले में टॉप-3 में आने वाली दीप्ति रावत के घर पहुंचे। सिंधिया को अचानक देखकर दीप्ति और उसका परिवार सरप्राइज हो गया। उन्होंने छात्रा से पूछा- 96% लाने के लिए क्या किया, क्योंकि मैंने भी पढ़ाई की थी, लेकिन इतने नंबर मेरे कभी नहीं आए।

दिग्विजय बोले-बीजेपी नेता मेरी अर्थी निकालना चाहते हैं

राजगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर पलटवार किया है। जिसमें उन्होंने दिग्विजय सिंह के लिए कहा था- आशिक का जनाजा है, जरा धूम से निकले। दिग्विजय सिंह ने शनिवार को कहा- अमित शाह मेरा जनाजा निकालने की बात कह गए। यानी मेरी अर्थी बीजेपी के नेता निकालना चाहते हैं। क्यों? क्योंकि मैं आप सबकी चिंता करता हूं।

प्रियंका ने कहा था- मोदी मंगलसूत्र का महत्व नहीं समझते

प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कर्नाटक में एक चुनावी रैली में कहा था- बहकी-बहकी बातें की जा रही हैं। कहा जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी आपका मंगलसूत्र, आपका सोना छीनना चाहती है। 70 सालों से ये देश स्वतंत्र है, 55 साल कांग्रेस की सरकार रही है, क्या किसी ने आपका सोना छीना, आपके मंगलसूत्र छीने। प्रियंका गांधी ने कहा जब जंग हुई थी, तब इंदिरा गांधी ने अपना सोना देश को दिया था। मेरी मां का मंगलसूत्र इस देश के लिए कुर्बान हुआ है। मोदी जी अगर मंगलसूत्र का महत्व समझते तो ऐसी अनैतिक बातें नहीं करते।

भोपाल के रेस्टोरेंट-ढाबों पर आबकारी टीम की दबिश

कबाड़े की दुकान से मिली अवैध शराब; सामान के बीच बोरे में भरकर रखी थी

संजीव कुमार

भोपाल में लोकसभा चुनाव के चलते पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें लगातार कार्रवाई कर रही है। अब तक करीब पौने दो करोड़ रुपए की अवैध शराब और नकद राशि जब्त की जा चुकी है। शनिवार देर रात में भी आबकारी विभाग ने कार्रवाई करते हुए अवैध शराब जब्त की। रविवार को भी दुर्गानगर में कबाड़े की दुकान पर कार्रवाई की गई। जिला आबकारी कंट्रोलर आरजी भदौरिया के नेतृत्व यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह और सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचूरा के निर्देशन में टीमें बनाई गई हैं। इन टीमों ने शनिवार देर रात अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। इस दौरान अवैध शराब जब्त की गई। रविवार को भी टीम ने कार्रवाई की।

यहां हुई कार्रवाई

रविवार को दुर्गानगर स्थित कबाड़ी की दुकान से अवैध शराब जब्त की गई। यहां शराब का अवैध तरीके से विक्रय हो रहा था। दुकान की तलाशी लेने पर अनिल अहिरवार द्वारा कबाड़ी के सामान के बीच में बोरे में भरकर 620 पाव छुपाकर रखे थे। पूछताछ करने पर उसने बताया कि यह शराब उसे बरखेड़ी निवासी नितिन यादव, लालू एवं अनुज श्रीवास्तव ने लाकर दी है। उनकी भी तलाश की जा रही है। जिला आबकारी कंट्रोलर भदौरिया ने बताया, यदि किसी शराब दुकान की संलिप्तता पाई जाती है तो शराब दुकान के लाइसेंस के विरुद्ध भी नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जब्त शराब की कीमत 43 हजार 600 रुपए है। आबकारी कंट्रोलर भदौरिया ने बताया, भोपाल की तीन सीमाओं पर स्थित ढाबों पर एक साथ कार्रवाई की गई। इस दौरान नीलबड़ में नेचर कॉटेज, ट्री चैप्टर,व्हाइट ओर्चिड, कॉन्ट्री साइड, रेस्टोरेंट, जहाज रेस्टोरेंट, रायसेन रोड पर जीसी रिट्रिट, शामियाना आचमन, सम्राट गार्डन, देशी तड़का, विदिशा रोड पर सेवन ओक, चंबल ढाबा, युवराज ढाबा पर अवैध शराब पीते हुए कई लोग मिले। इस पर शराब जब्त कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 36(ड्ड/ड्ड)के 80 प्रकरण दर्ज किए गए। लगभग 40 बल्क लीटर शराब भी जब्त की गई। जिसकी कीमत 40 हजार रुपए से ज्यादा है।

थर्ड और फोर्थ फेज इलेक्शन के लिए तैयारी

सीईओ के कलेक्टरों को निर्देश, हर मतदान केंद्र पर चलें बूथ की ओर अभियान चलाएं

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश में पहले और दूसरे चरण में हुई लोकसभा चुनाव की वोटिंग में मतदाताओं की अरुचि ने राजनेताओं के साथ अफसरों और चुनाव आयोग की भी चिंता बढ़ा दी है। इसे देखते हुए अब बाकी बचे 2 फेज की वोटिंग में मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए चुनाव आयोग द्वारा चलें बूथ की ओर अभियान चलाने का फैसला किया गया है। यह अभियान अगले माह एक और सात मई को जिलों में चलाया जाएगा जिसको लेकर कलेक्टरों को निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कलेक्टरों से कहा है कि प्रदेश में तीसरे और चौथे चरण का मतदान 7 मई एवं 13 मई को है। मतदान प्रक्रिया में अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए चलें बूथ की ओर%अभियान प्रत्येक मतदान केंद्र पर चलाया जाए। राजन ने कहा कि तीसरे चरण के लिए यह अभियान एक मई एवं चौथे चरण के लिए

7 मई को चलाएं। अभियान के अंतर्गत हर मतदान केंद्र पर बूथ जागरुकता समूह के सदस्यों, कैंपस एंबेसडर, रहवासी कल्याण समिति , चुनावी साक्षरता क्लब गैर सरकारी संगठन, चुनाव पाठशाला तथा स्थानीय लोगों के माध्यम से सघन स्वीप गतिविधियां आयोजित कर लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने की कार्यवाही करें। इन गतिविधियों के फोटोग्राफ्स एवं वीडियो उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

थर्ड फेज के लिए 20456 पोलिंग सेंटर पर होंगे कार्यक्रम

तीसरे चरण में प्रदेश के 9 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान होना है। इसके अंतर्गत आने वाले 20 हजार 456 मतदान केंद्रों पर यह अभियान चलाया जाएगा। इसमें बैतूल, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल और राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं।

चौथे चरण के 18007 मतदान केंद्रों पर कैम्पेन

चौथे चरण में प्रदेश के 8 लोकसभा क्षेत्रों के 18 हजार 7 मतदान केंद्रों पर यह अभियान चलाया जाएगा। इसमें देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, इंदौर, खरगोन, खंडवा लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं।

इंदौर हाईवे पर एलपीजी टैंकर में भीषण लगी

चलते ट्रक में शार्ट सर्किट से लगी थी आग, आधे घंटे में पाया काबू

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल-इंदौर हाईवे पर खजूरी क्षेत्र के अय्यापुर गांव के पास शनिवार रात एलपीजी से भरे कैप्सूल टैंकर के केबिन में शार्ट सर्किट से आग लग गई। लपटों से घिरता देख ड्राइवर और क्लीनर टैंकर को सड़क किनारे खड़ा कर दिया और केबिन से कूदकर जान बचाई। राहगीरों ने मामले की सूचना फायर कंट्रोल को कॉल पर दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की दमकलों ने आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि केबिन में लगी आग टैंकर तक नहीं पहुंची नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास के रहवासी इलाके को खाली करवा लिया था। आग बुझने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

बाटलिंग प्लांट के लिए रवाना हुआ था टेंकर

थाना प्रभारी नीरज वर्मा ने बताया कि शनिवार की रात एलपीजी से भरा एक कैप्सूल टैंकर भोपाल से पीलूखेड़ी बाटलिंग प्लांट के लिए रवाना हुआ था। रात करीब साढ़े सात बजे यह टैंकर ग्राम तूमड़ा के आगे अय्यापुर गांव के पास से गुजर रहा था कि तभी अचानक केबिन में शार्ट सर्किट से आग लग गई।

ड्राइवर-क्लीनर आग बुझाने में नाकाम हुए

ड्रायवर और कंडक्टर ने टैंकर में मौजूद उपकरणों से आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन जब आग काबू में आती नहीं दिखी तो सडक़ किनारे खड़ा कर टैंकर से बाहर कूद गए। सूचना मिलते ही खजूरी सडक़ थाने का स्टाफ और फायर ब्रिगेड का अमला मौके पर पहुंच गया था।

कैप्सूल तक पहुंचती आग तो बड़ा हादसा हो सकता था

दमकल कर्मचारियों ने आधा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया था। थाना प्रभारी का कहना है कि गनीमत रही आग कैप्सूल तक नहीं पहुंच वरना गैस में आग लगने से बड़ा हादसा हो सकता था। किसी प्रकार की अनहोनी के चलते पुलिस ने अय्यापुर गांव के रहवासियों को घटनास्थल से दूर भेज दिया था। कंपनी के अधिकारी शार्ट सर्किट होने के कारणों की जांच करेंगे। उसके बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

भोपाल जेठ ने बहू से ज्यादती की: जान से मारने की धमकी देकर की थी वारदात

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के टीला जमालपुरा में नव वाहिता के साथ ज्यादती का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी थी। तीन महीने तक महिला आरोपी के डर से चुप रही। शनिवार की दोपहर को पीड़िता भाभी और बहन के साथ थाने पहुंची। जहां उसने आरोपी जेठ की करतूत को बताया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक अर्जुन नगर थाना एमपी नगर इलाके में 23 वर्ष की महिला रहती है। 2 दिसंबर 23 को उसकी शादी टीला जमालपुरा इलाके में स्थित इसलामी गेट के पास हुई थी। पति का बड़ा भाई शरीफ खान है। शरीफ शादी के बाद से ही बहू पर बुरी नजर रखता था। 9 जनवरी 24 को रात के समय पीड़िता अपने कमरे में थी। तभी आरोपी जेठ वहां पहुंच गया। उसने नव विवाहित बहू के साथ ज्यादती की। विरोध करने पर आरोपी पीड़िता को जान से मारने की धमकी दे रहा था।

डर के कारण तीन महीने तक चुप रही

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी के डर के कारण वह तीन महीने तक चुप रही। घटना के बाद वह डिप्रेशन में आ चुकी थी। पिछले दिनों मायके गई तो भाभी और बहन ने उससे गुमसुम रहने की वजह पूछी। तब उसने अपने साथ हुई ज्यादती की बात दोनों को बताई। शुक्रवार को पीड़िता थाने पहुंची। शिकायती आवेदन दिया, शनिवार की शाम को पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

भोपाल में मिस्त्री ने की महिला से ज्यादती: शादी का झांसा देकर एक साल तक बनाता रहा संबंध

न्यूज क्राइम फाइल

बिलखिरिया इलाके में रहने वाली महिला के साथ ज्यादती का मामला सामने आया है। वारदात को मिस्त्री का काम करने वाले युवक ने अंजाम दिया है। आरोपी ने शादी का झांसा देकर एक साल तक उसके साथ संबंध बनाए। अब शादी से इनकार कर दिया है। तब पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक 29 वर्षीय महिला मूलत: छिंदवाड़ा की रहने वाली है। पिछले साल उसका अपने पति से विवाद हो गया था। उसके बाद महिला भोपाल आ गई और बिलखिरिया इलाके में चल रहे एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में ठेकेदार के पास काम करने लगी। उसी ठेकेदार के पास तुमेश साहू नामक एक युवक मिस्त्री का काम करता है। एक साथ काम करने के दौरान दोनों के बीच पहचान हो गई तो तुमेश ने महिला को शादी करने का झांसा दिया और उसका शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया। पिछले सप्ताह तुमेश महिला को बगैर बताए अपने गांव छत्तीसगढ़ चला गया। काफी प्रयास करने के बाद भी जब तुमेश से संपर्क नहीं हुआ तो पीड़िता ने थाने जाकर उसके खिलाफ दुष्कर्म और जाति से अपमानित करने का मामला दर्ज करवा दिया। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

टीएन शेषन ने बदली थी भारत के अराजक चुनावों की तस्वीर

देश की मौजूदा पीढ़ी को शायद इस बात का अंदाजा भी नहीं होगा कि भारत की आजादी के बाद की ऊबड़-खाबड़ यात्रा में देश ने ऐसे-ऐसे हिचकोले खाए कि लगने लगा था कि लोकतंत्र पटरी से उतर कर अराजकता में बदल जाएगा। इसी यात्रा में सबसे बड़ी चुनौती थी, देश के निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराना। आज जिस तरह शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न कराए जा रहे हैं। करीब साढ़े तीन दशक पहले इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। उस दौर में ऐसा कोई भी चुनाव नहीं रहा जो खून-खराबे से भरा नहीं रहा हो। देश में बैलट पर बुलट भारी था। बंदूक की नोक पर वोटों की पेटियों को लूटना आम बात थी। भारत की चुनावी प्रक्रिया में हर तरह की बुराई थी। ऐसे में देश को एक ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त मिलता है, जो पूरी चुनाव व्यवस्था को बदलकर रख देता है। बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को नकेल कस देता है। उस मुख्य चुनाव आयुक्त का नाम है टीएन शेषन। आज अगर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र माहौल में चुनाव हो पाता है तो इसका श्रेय टीएन शेषन को जाता है। देश के दबंग चुनाव आयुक्त के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले टीएन शेषन नौकरशाही में भी सुधार के जनक थे। ईमानदारी और कानून के प्रति अपनी निष्ठा की वजह से वह बहुतों को खटकते भी थे। इस वजह से उनके विरोधी उनको सनकी और तानाशाह तक भी कहते थे। लेकिन वह व्यवस्था में क्रांति लाने वाले इंसान, मेहनती, सक्षम प्रशासक, योग्य नौकरशाह, बुद्धीजीवियों और मध्य वर्ग के नायक थे। पलक्कड़ (केरल) के निवासी टीएन शेषन ने 1955 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में ट्रेनी के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत की। शेषन ने अपनी पहली तैनाती में ही तीखे तेवर दिखाते हुए तमिलनाडु के मदुरई जिले के डिंडीगुल में सब कलेक्टर पद पर रहते हुए हरिजन समुदाय के एक व्यक्ति पर फंड के घपले का आरोप में गिरफ्तार करवा दिया। मंत्री के दवाब के बाद भी आरोपी को नहीं छोड़ा। चेन्नई में यातायात आयुक्त पद के दौरान एक बार एक ड्राइवर ने शेषन से पूछा कि अगर आप बस के इंजन को नहीं समझते और ये नहीं जानते कि बस को ड्राइव कैसे किया जाता है, तो आप ड्राइवरों की समस्याओं को कैसे समझ पाएंगे। शेषन ने इसको एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने न सिर्फ़ बस की ड्राइविंग सीखी बल्कि बस वर्कशॉप में भी काफ़ी समय बिताया। एक बार उन्होंने बीच सड़क पर ड्राइवर को रोक कर स्टेयरिंग संभाल लिया और यात्रियों से भरी बस को 80 किलोमीटर तक चलाया। शेषन का तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से काफी झगड़ा हो गया, जिसके बाद वे प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली आ गए और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के एक सदस्य के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के आग्रह पर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के सचिव बन गए। सचिव के तौर पर उन्होंने टिहरी बांध और सरदार सरोवर बांध जैसी परियोजनाओं का विरोध किया। भले ही सरकार ने उनको विरोध को दरकिनार कर दिया और परियोजना पर काम को आगे बढ़ाया लेकिन बांध के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया गया। इसके साथ ही शेषन ने विभागों में नहीं कहने का रुझान शुरू किया। इस दौरान राजीव गांधी से उनकी नजदीकी बढ़ी। वहां से उनको आंतरिक सुरक्षा का सचिव बनाया गया। करीब 10 महीनों बाद उनको कैबिनेट सचिव बनाया गया। जब राजीव गांधी दिसंबर 1989 में चुनाव हार गए और प्रधानमंत्री नहीं रहे तो टीएन शेषन का ट्रांसफर योजना आयोग में कर दिया गया। शेषन के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने की दास्तां भी कम दिलचस्प नहीं है। दिसंबर 1990 केंद्रीय वाणिज्य मंत्री और शेषन के दोस्त सुब्रमण्यम स्वामी ने प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के दूत के तौर शेषन पर मुख्य चुनाव आयुक्त के पद की पेशकश की। शेषन इस प्रस्ताव से बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुए थे, क्योंकि पहले ही कैबिनेट सचिव विनोद पांडे ने भी उन्हें ये प्रस्ताव दिया था। शेषन इस प्रस्ताव पर राजीव गांधी से मिले। राजीव गांधी ने शेषन को मुख्य चुनाव आयुक्त का पद स्वीकार करने के लिए अपनी सहमति दे दी। लेकिन वो इससे बहुत खुश नहीं थे। उन्होंने उन्हें छेड़ते हुए कहा कि वो दाढ़ी वाला शख्स (चंद्रशेखर) उस दिन को कोसेगा, जिस दिन उसने तुम्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बनाने का फ़ैसला किया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने साठ के दशक में तमिलनाडु में शेख़ को नज़रबंद करवा दिया था। शेषन उस समय मदुरै जिले के कलेक्टर थे। उनको जिम्मेदारी दी गई थी कि वो शेख़ द्वारा बाहर भेजे गए हर पत्र को पढ़ें। शेख ने डॉक्टर एस राधाकृष्णन प्रेसिडेंट ऑफ़ इंडिया के नाम पत्र लिखा। शेषन ने बिना डरे पत्र पढ़ लिया। शेख़ ने घोषणा की कि वो उनके साथ किए जा रहे ख़राब व्यवहार के विरोध में आमरण अनशन पर जाएंगे। शेषन ने कहा कि सर ये मेरा कर्तव्य है कि मैं आपकी हर ज़रूरत का ख्याल रखूं, मैं ये सुनिश्चित करूंगा कि कोई आपके सामने पानी का एक गिलास भी ले कर न आए। शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव के धर्मराजन त्रिपुरा में हो रहे चुनावों का पर्यवेक्षक का कार्य छोड़ कर थाइलैंड चले गए। इस पर दंडित करते हुए शेषन ने उनकी गोपनीय रिपोर्ट में विपरीत प्रवष्टि करने का फ़ैसला किया। शेषन ने वर्ष 1993 में 17 पेज का आदेश जारी किया कि जब तक सरकार चुनाव आयोग की शक्तियों को मान्यता नही देती, तब तक देश में कोई भी चुनाव नहीं कराया जाएगा। आखिरकार सरकार को उनके सामने झुकना पड़ा। मौजूदा आदर्श आचार संहिता उसी आदेश का परिणाम है। शेषन के आने से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त एक आज्ञाकारी नौकरशाह होता था जो वही करता था जो उस समय की सरकार चाहती थी। ये शेषन का ही बूता था कि उन्होंने चुनाव में पहचान पत्र का इस्तेमाल आवश्यक कर दिया। शेषन ने साफ कह दिया कि अगर मतदाता पहचान पत्र नहीं बनाए गए तो 1 जनवरी 1995 के बाद भारत में कोई चुनाव नहीं कराए जाएंगे। शेषन के दौर में ही हिमाचल प्रदेश में चुनाव के दिन पंजाब के मंत्रियों के 18 बंदूकधारियों को राज्य की सीमा पार करते हुए धर दबोचा गया। उत्तर प्रदेश और बिहार सीमा पर तैनात नागालैंड पुलिस ने बिहार के विधायक पप्पू यादव को सीमा नहीं पार करने दी। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल गुलशेर अहमद को चुनाव आयोग द्वारा सतना का चुनाव स्थगित करने के बाद उन्हें अपने पद से इस्तीफ़ा देना पड़ा। गुलशेर अहमद पर आरोप था कि उन्होंने राज्यपाल पद पर रहते हुए अपने पुत्र के पक्ष में सतना चुनाव क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया था। उसी तरह राजस्थान के तत्कालीन राज्यपाल बलिराम भगत को भी शेषन का कोपभाजन बनना पड़ा था।

संपादकीय

विरासत टैक्स एवं निजी सम्पत्ति सर्वे पर संकट में घिरी कांग्रेस

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जनता के बीच जिस तरह के मुद्दों को लेकर चर्चा में हैं, उनमें देश विकास से अधिक मुक्त की रेवड़िया बांटने या अतिश्योक्तिपूर्ण सुविधा देने की बातें हैं तो 'विरासत टैक्स' के नाम पर जनता की गाढ़ी कमाई को हड़पने के सुझाव है। ऐसी विरोधीभासी सोच एवं योजनाएं कांग्रेस की अपरिपक्व एवं स्वार्थप्रेरित राजनीति को ही उजागर करती है। इंडिया ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राहुल गांधी के विश्वस्त सलाहकार सैम पित्रोदा ने चुनावी समर में अपने ताजा बयान में विरासत टैक्स की वकालत की है। उन्होंने अमेरिका में लागू इस टैक्स की पैरवी करते हुए भारत के लिये उपयोगी बताया। सैम ने अपने बयान पर विवाद बढ़ता देख सफाई दी है, तो कांग्रेस ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया है। लेकिन राजनीति की इन कुचालों एवं ऐसे बयानों में कांग्रेस का इरादा जनता की मेहनत की कमाई की संगठित लूट और वैध लूट ही नजर आता है। सैम पित्रोदा के बयान में कांग्रेस की सोच एवं संकल्प ही नहीं दिखा बल्कि कांग्रेस की भावी योजनाओं की परतें भी खुली है। भले ही इस बयान ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हो, लेकिन जनता को मूर्ख समझ हर बार हंगामा खड़ा करना कांग्रेस की नीति एवं नियत रही है। सैम ऐसे ही विवादास्पद बयानों से पूर्व में भी चर्चा में रहे हैं। अमेरिका में विरासत टैक्स जैसी अनेक स्थितियां एवं कानून हैं जो भारत में नहीं है क्योंकि हर देश की अपनी स्थितियां होती है। सैम के इस बयान ने इसलिए तूल पकड़ लिया, क्योंकि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में लोगों की संपत्ति के सर्वे का वादा किया है। इसकी व्याख्या भाजपा पहले से ही इस रूप में कर रही है कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति का आकलन करके संपन्न-सक्षम लोगों की संपदा का एक हिस्सा लेने का इरादा रखती है। चूंकि सैम पित्रोदा का कथन कुछ इसी ओर संकेत करता दिख रहा था, इसलिए भाजपा ने नए सिरे से उनके बयान को मुद्दा बना दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो कहा जब तक आप जीवित रहेंगे, तब तक कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी और जब जीवित नहीं रहेंगे, तब आप पर विरासत का बोझ लाद देगी।' कांग्रेस की लूट जिन्दगी के साथ भी और जिन्दगी के बाद भी कह कर मोदी ने कांग्रेस को निशाने पर लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी यह कह दिया कि यदि कांग्रेस वैसा कुछ करने का नहीं सोच रही है, जैसा सैम पित्रोदा कह रहे हैं तो वह अपने घोषणा पत्र से संपत्ति के सर्वेक्षण वाली बात हटाए।' निश्चित ही कांग्रेस की संपत्ति के सर्वेक्षण की बात में गहरे अर्थ, संदेह एवं शंकाएं निहित हैं।

हाईकोर्ट ने कहा-मंदिर समिति 3 महीने में निराकरण करे

महाकाल के प्रसाद पैकेट पर मंदिर की फोटो पर विवाद

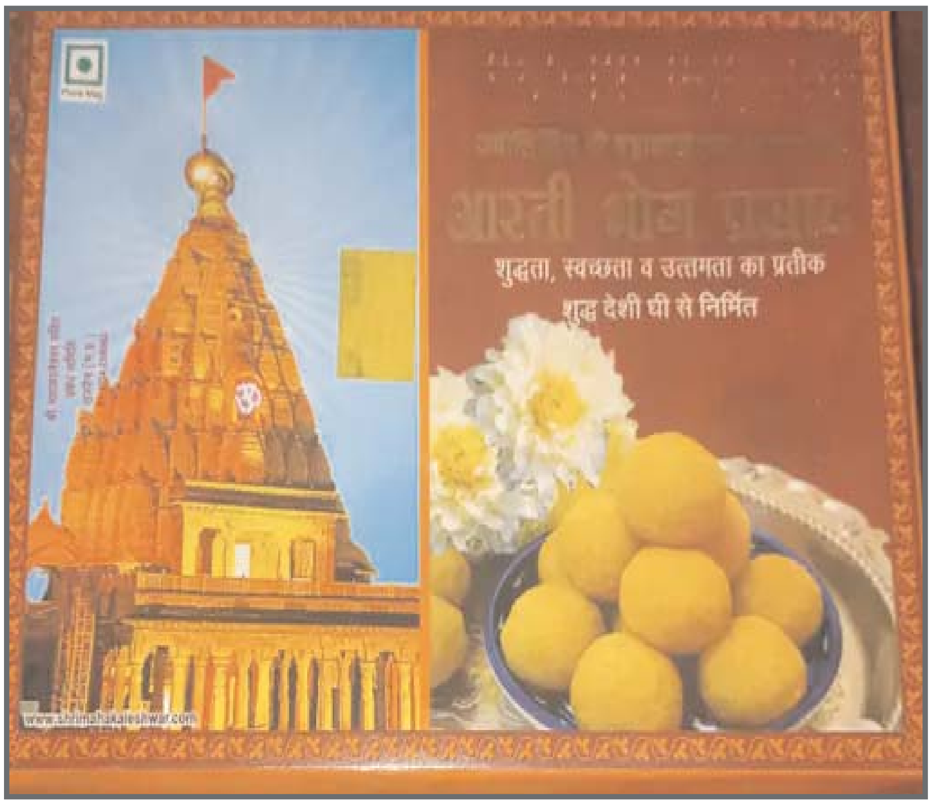

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन में महाकाल मंदिर में लड्डू प्रसाद पैकेट पर मंदिर की फोटो का विवाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने मंदिर समिति को तीन महीने में मामले का निराकरण करने के लिए कहा है। इस मामले में बुधवार को जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और जस्टिस गजेंद्र सिंह की कोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट का आदेश शुक्रवार को सामने आया। 19 अप्रैल 2024 को महंत सुखदेवानंद ब्रह्मचारी गुरु श्रीमहंत योगानंद, ब्रह्मचारी श्री शंभु पंच अग्नि अखाड़ा इंदौर और पंडित शरद कुमार मिश्र, गुरु श्री स्वामी राधाकान्ताचार्य जी महाराज श्री दुर्गाशक्ति पीठ ने इंदौर हाई कोर्ट में याचिका लगाई। इसमें महाकाल मंदिर के लड्डू प्रसादी के पैकेट पर महाकाल मंदिर, ओंकारेश्वर और ऊँ छापने को गलत बताया गया। इसे हटवाने की मांग की है।

कोर्ट में तर्क- प्रसाद खाकर डिब्बे कूड़ेदान में फेंक देते हैं

याचिकाकर्ता के वकील अभीष्ट मिश्र ने बताया, 'कोर्ट में बताया कि महाकाल मंदिर प्रबंध समिति लड्डू प्रसाद वितरण करती है। इसके बॉक्स पर महाकाल मंदिर का शिखर, जिसमें ? और शिखर के मध्य में नागचंद्रेश्वर मंदिर का फोटो लगा है। प्रसाद लेने के बाद लोग खाली पैकेट को डस्टबिन में फेंक देते हैं। अयोध्या में लाखों डिब्बे भेजे गए, जो बाद में कूड़ेदान में फेंक दिए गए। धर्म के हिसाब से यह अनुचित है। कोर्ट में तर्क दिया गया कि वैष्णो देवी और अमृतसर में गोल्डन टेम्पल के प्रसाद में भी कोई चित्र नहीं रहता है। मंदिर के अधिनियम में भी कही नहीं लिखा कि डिब्बे को कैसे रिसाइकिल करेंगे।'

मंदिर समिति से लेकर पीएमओ तक शिकायत

याचिकाकर्ता के वकील अभीष्ट मिश्र ने बताया, 'इसे लेकर दो बार मंदिर समिति को आवेदन दिया, लेकिन उन्होंने सुनवाई नहीं की। 11 अप्रैल 2024 को प्रशासनिक अधिकारियों से भी मिले। वहां से सिर्फ आश्वासन मिला। कार्रवाई नहीं हुई, तो पीएम मोदी से भी शिकायत की। पीएमओ कार्यालय से शिकायत सीएम हेल्प लाइन तक पहुंची, लेकिन यहां भी कह दिया गया कि मंदिर समिति में बात हो गई है। शिकायत का निराकरण जल्द हो जाएगा, लेकिन फिर भी कुछ नहीं हुआ'

फिर कोर्ट में लगाई याचिका

वकील मिश्र ने बताया कि इसके बाद 19 अप्रैल को हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में याचिका लगा दी। इस पर 24 अप्रैल को सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले को निराकरण के लिए मंदिर समिति को तीन महीने का समय दिया है। साथ ही, कहा है कि इसमें उचित कार्रवाई के बाद कोर्ट को अवगत कराया जाए। वहीं, उचित कदम नहीं उठाने पर दोबारा कोर्ट आने को भी कहा गया है।

समिति में आवेदन रखकर निर्णय लेंगे

मंदिर के प्रशासक मृणाल मीणा ने कहा कि याचिकाकर्ता के आवेदन आने के बाद समिति में इसे रखकर निर्णय लिया जाएगा। मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं को भी समय-समय पर समझाइश दे रहे हैं कि लड्डू प्रसादी के पैकेट को हर कहीं ना फेंकें।

लड्डू प्रसादी की देश भर में डिमांड

समिति द्वारा श्रद्धालुओं को भगवान महाकाल का लड्डू प्रसाद (शुद्ध घी और बेसन से निर्मित) बेचा जाता है। इसकी डिमांड न सिर्फ देश में, बल्कि विदेशों में भी है। रोजाना 50 से 60 क्विंटल लड्डू मंदिर समिति बनाती है। पर्व के दिन में अलग से बनाकर रख लिया जाता है। यह लड्डू प्रसाद 100 ग्राम, 200 ग्राम, 500 ग्राम और एक किलो के पैकेट में उपलब्ध रहते हैं। भगवान महाकाल का लड्डू प्रसाद 400 रुपए किलो में मिलता है। महाकाल मंदिर समिति प्रति माह 12 हजार लड्डू प्रसादी के पैकेट प्रिंट करवाती है।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455
email: newscrimefile@yahoo.com

मुरैना में लड़की के घर टूट पड़े आरोपी, गोलियां चलाईं; 4 घायल

बहन से छेड़छाड़, भाई की हत्या

न्यूज क्राइम फाइल

मुरैना में बहन से छेड़खानी का विरोध करने पर भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी और उसके परिवार के लोग लड़की के घर लाठी-डंटे लेकर टूट पड़े। पहले लाठियां चलीं, फिर फायरिंग हुई। घटना शुक्रवार शाम 7 बजे चिन्नौनी थाना इलाके के तिंदोखर गांव की है। हमले में 4 लोग घायल हुए हैं। 3 घायलों को पहले मुरैना जिला अस्पताल लाया गया। यहां से देर रात ग्वालियर रेफर कर दिया गया। दोनों पक्ष के लोग चंबल से रेत खनन का काम करते हैं। इसे लेकर दोनों के बीच पहले से तनातनी चल रही थी। शुक्रवार दोपहर तिंदोखर में रहने वाले आरोपी भानु परमार ने राहुल सिकरवार की रिश्ते की बहन से गलत हरकत कर दी। इसे लेकर सिकरवार पक्ष के लोग शिकायत करने भानु के घर पहुंचे। उन्होंने भानु के पिता से मारपीट कर दी। इसके बाद सभी घर लौट आए।

पिता की पिटाई से नाराज होकर हमला किया

पिता को पीटे जाने से नाराज भानु शाम 7 बजे राहुल के घर जा धमका। उसने तिंदोखर से और साथियों को भी बुला लिया। भानु परमार, भूरा परमार, अनिल और छोटू ने 3 अन्य साथियों के साथ मिलकर अवैध हथियारों से सिकरवार पक्ष के लोगों पर गोलियां चलाईं।

एक के पेट में लगी गोली, दूसरे के छर्रे लगे

गोली लगने से राहुल सिकरवार (25) की मौके पर मौत हो गई। सतेंद्र उर्फ गुड्डू सिकरवार (45) के पेट में दाईं ओर गोली और सिर में लाठी की चोट आई है। अन्य घायलों में विजय सिंह (65) को छर्रे लगे हैं, रामवीर सिकरवार (55) की दाएं कलाई में फ्रैक्चर है। तीनों को ग्वालियर रेफर किया गया है। सौरभ (40) पुत्र अनूप सिकरवार को मामूली चोट आई है। उसका इलाज कैलारस में चल रहा है।

कबाड़खाने के मालिक के घर पर चला बुलडोजर

न्यूज क्राइम फाइल

जबलपुर में गुरुवार को कबाड़खाने में विस्फोट के बाद करीब 500 फीट ऊपर तक धुएं का गुबार उठा। इसका वीडियो भी सामने आया है। मामले की जांच एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की टीम करेगी। रक्षा विभाग से संबंधित विस्फोटक पदार्थ होने की आशंका के चलते टीम आ रही है। विस्फोट खजरी-खिरिया बाइपास पर मोहम्मद शमीम के कबाड़खाने के गोदाम में हुआ। मलबा हटाने का काम जारी है। कल दो शव मिले थे। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। विस्फोट के बाद लापता हुए लोगों के इंतजार में परिजन घटनास्थल पर बैठे हैं। एनडीआरएफ और नगर निगम की टीम मलबा हटा रही है। कबाड़ी मोहम्मद शमीम के सैफी नगर स्थित पर पुलिस प्रशासन की टीम पहुंची है। तीन जेसीबी से बिल्डिंग के सामने का हिस्सा तोड़ा जा रहा है। बताया जा रहा है कि मोहम्मद शमीम ने शहर के कई इलाकों में बड़ी-बड़ी बिल्डिंग बनवा रखी हैं।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- जीवन में पहली बार देखा ऐसा ब्लास्ट

प्रत्यक्षदर्शी जमाल अख्तर बेग ने बताया कि गुरुवार को दोपहर करीब 12 बज रहे थे। घर में बेटा, बहू, नाती और पत्नी मौजूद थे। अचानक तेज धमाका हुआ। ऐसा लगा कि पूरी जमीन हिल गई। हम सभी लोग अपनी जान बचाते गेट की तरफ भागे। घर के बाहर आकर देखा तो खिड़की के कांच टूट चुके थे। चारों तरफ कांच फैले थे। जमीन पर दरारें आ गई हैं। पलटकर देखा, तो सामने वाले गोदाम में तेज धुआं, धूल का गुबार निकल रहा था। महेंद्र पटेल ने बताया कि धमाके की आवाज 5 किलोमीटर तक गूंजी।

फोटो कैप्शन

जनता के दिल में मोदीः देवड़ा

चाहे बिरसा मुंडा, टंट्या मामा, रानी कमलापति, रानी दुर्गावती और शंकर शाह – रघुनाथ शाह जैसे जनजातीय महानायकों को उनका खोया हुआ सम्मान दिलाने की बात हो या फिर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हमारे जनजातीय भाइयों बहनों के जीवन स्तर को ऊंचा उठा कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने की बात हो, मोदी सरकार हर कसौटी पर खरी उतरती है। जनजातीय वर्ग के साथ जन-जन का पूरा विश्वास और पूरा-पूरा आशीर्वाद उनके लाडले प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ है। भारतीय जनता पार्टी के प्रति हर वर्ग का अटूट विश्वास है जो इस बात का संकेत है कि मध्य प्रदेश की 29 सीटों को मिलाकर पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी 400 से भी अधिक सीटों के साथ जनता की अपनी सरकार बनाएगी, माननीय मोदी जी दोबारा प्रधानमंत्री बनेंगे और हमारा देश सर्वांगीण, सर्वस्पर्शी एवं सर्वसमावेशी विकास की नई कहानी लिखेगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री फग्गन जी, मंत्रिपरिषद के साथी श्री नागर सिंह चौहान जी, सुश्री निर्मला भूरिया जी व श्री चैतन्य काश्यप जी सहित अन्य वरेण्यजन उपस्थित रहे।

लखनऊ को 7 विकेट से हराया; कप्तान सैमसन ने बनाए 71 रन, जुरेल की फिफ्टी

टेबल टॉपर राजस्थान रॉयल्स की 8वीं जीत

न्यूज क्राइम फाइल

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 17वें सीजन की टेबल टॉपर राजस्थान रॉयल्स ने एक और जीत दर्ज कर ली। टीम ने लखनऊ सुपरजायंट्स को उन्हीं के होमग्राउंड पर 7 विकेट से हरा दिया। कप्तान संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल ने राजस्थान से फिफ्टी लगाईं। दोनों ने चौथे विकेट के लिए सेंचुरी पार्टनरशिप कर लखनऊ के हाथ से मैच निकाला। शनिवार को इकाना स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाए। केएल राहुल ने 76 और दीपक हुड्डा ने 50 रन बनाए। राजस्थान से संदीप शर्मा ने 2 विकेट लिए। राजस्थान ने 19 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 199 रन बना लिए। सैमसन 71 और जुरेल 52 रन बनाकर नॉटआउट रहे। सैमसन ने ही छक्का लगाकर टीम को जीत भी दिलाई। उन्होंने जुरेल के साथ 121 रन की पार्टनरशिप की। लखनऊ से यश ठाकुर, मार्कस स्टोयनिस और अमित मिश्रा ने 1-1 विकेट लिया। पावरप्ले में लखनऊ ने 2 विकेट गंवाए॰ टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी लखनऊ ने 11 ही रन के स्कोर पर 2 विकेट गंवा दिए। क्विंटन डी कॉक और मार्कस स्टोयनिस सस्ते में पवेलियन लौट गए।

■हुड्डा का विकेट: 2 विकेट के बाद दीपक हुड्डा और केएल राहुल ने 115 रन की पार्टनरशिप की। हुड्डा 13वें ओवर में आउट हो गए, उनके विकेट के बाद लखनऊ का स्कोरिंग रेट स्लो हो गया। यहां पूरन और राहुल के विकेट अहम रहे।

■राजस्थान की डेथ ओवर बॉलिंग॰ राजस्थान रॉयल्स की डेथ ओवर गेंदबाजी शानदार रही, टीम ने आखिरी 5 ओवर में महज 46 रन दिए और 2 विकेट भी झटक लिए।

■सैमसन-जुरेल की पार्टनरशिप: राजस्थान ने 197 रन के चेज में 78 रन के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए। यहां से संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल ने 121 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप की और 19 ओवर में ही टीम को जीत दिला दी।

लखनऊ सुपरजायंट्स ने 20 ओवर खत्म होने पर 5 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाए। टीम से केएल राहुल ने 76 और दीपक हुड्डा ने 50 रन बनाए। राजस्थान से संदीप शर्मा ने 2 विकेट लिए। एक-एक विकेट रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट और आवेश खान को भी मिला।

राजस्थान ने 19 ओवर में चेज किया टारगेट

राजस्थान ने 197 रन के टारगेट में अच्छी शुरुआत की और 5 ओवर में 50 रन बना लिए। यहां से 78 रन के स्कोर पर टीम ने 3 विकेट गंवा दिए। फिर कप्तान संजू सैमसन ने ध्रुव जुरेल के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप की। सैमसन ने 19वें ओवर की आखिरी 2 बॉल पर चौका और छक्का लगाया। इसी के साथ टीम को 7 विकेट से जीत मिल गई। सैमसन ने 33 बॉल पर 71 रन बनाए। उनके साथ ध्रुव जुरेल 34 बॉल में 52 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

पॉइंट्स टेबल में टॉप पर कायम राजस्थान

9 मैचों में 8वीं जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स पॉइंट्स टेबल के टॉप पर कायम है। टीम के 16 पॉइंट्स हैं। उनसे नीचे 4 टीमें 10-10 पॉइंट्स लेकर दूसरे से पांचवें नंबर पर मौजूद हैं। लखनऊ की 9 मैचों में चौथी हार रही, टीम 5 जीत के बाद 10 पॉइंट्स लेकर चौथे नंबर पर है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

लखनऊ सुपर जायंट्स: केएल राहुल (कप्तान × विकेटकीपर), क्विंटन डी कॉक, दीपक हुड्डा, मार्कस स्टोयनिस, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, क्रुणाल पंड्या, मैट हेनरी, रवि बिश्नोई, यश ठाकुर और मोहसिन खान।

राजस्थान रॉयल्स ॰ संजू सैमसन (कप्तान × विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर, रोवमन पॉवेल, रविचंद्रन अश्विन, आवेश खान, ट्रेंट बोल्ट, संदीप शर्मा और युजवेंद्र चहल।

ये डेटा 2023-24 का; 2022-23 में जॉब पोर्टल पर 34.81 लाख वैकेंसी थीं

सरकारी पोर्टल पर 1 करोड़ जॉब्स, 87 लाख आवेदन मिले

न्यूज क्राइम फाइल

सरकारी जॉब पोर्टल नेशनल करियर सर्विस (एनसीएस) ने देश में नौकरियों को लेकर बड़ी बात कही है। एनसीएस के डेटा के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2023-24 में नौकरियां, जॉब चाहने वालों यानी एप्लीकेंट से ज्यादा थीं। इस दौरान पोर्टल पर 1 करोड़ 9 लाख 24 हजार 161 वैकेंसी थीं, जबकि 87 लाख 27 हजार 900 लोगों ने अप्लाई किया। एनसीएस डेटा ये भी बताता है कि 2022-23 की तुलना में 2023-24 में तिगुनी नौकरियां (214%) आईं। डेटा के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2022-23 में 34 लाख 81 हजार 944 नौकरियां थीं, जो 2023-24 में बढ़कर 1 करोड़ 9 लाख 24 हजार 161 हो गईं। एक सीनियर अफसर ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि नौकरियों में बढ़ोतरी की वजह इकोनॉमी में ग्रोथ है। इसी साल 30 मार्च को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुंबई में कहा था कि वित्त वर्ष 24 में भारत की ग्रोथ 8 रह सकती है।

एनसीएस पोर्टल पर एक्टिव एम्प्लॉयर्स 15 लाख से ज्यादा

एनसीएस पोर्टल पर एम्प्लॉयर्स (नौकरी देने वाले) की तरफ से स्किल्स और एजुकेशनल क्वालिफिकेशन के आधार पर नौकरियां पोस्ट की जाती हैं। सरकारी पोर्टल का डेटा बताता है कि हर कैटेगरी में पर्याप्त नौकरियां थीं। ज्यादा मांग कम कुशल और कम सैलरी वाली नौकरियों की थी। एनसीएस पोर्टल पर एक्टिव एम्प्लॉयर्स 15 लाख 64 हजार 800 है। ये वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 89त्न ज्यादा हैं।

इस हफ्ते सोने-चांदी में गिरावट

इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 22 अप्रैल को सोना 73,161 रुपए पर था, जो अब, यानी 27 अप्रैल को 72,448 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 713 रुपए की गिरावट आई है। वहीं चांदी की बात करें तो आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते की शुरुआत में ये 81,839 रुपए पर थी, जो अब 81,374 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 465 रुपए गिरी है।

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,080 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,930 रुपए है।

कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,850 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,930 रुपए है।

चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,760 रुपए है।

भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,320 रुपए है।

भिंड में कहा- मतदान प्रतिशत उन्हें महसूस करा रहा है कि वे हारने वाले हैं

जीतू पटवारी बोले- पीएम की भाषा रावण जैसी

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भिंड में कहा, पीएम मोदी मंगलसूत्र से लेकर नफरत, बंटवारा... हर तरह की भाषा बोल रहे हैं। मतदान का प्रतिशत उन्हें महसूस करा रहा है कि वे हारने वाले हैं। बीजेपी के 400 पार के नारे पर बोले, रावण भी कहता था कि मुझे मारने वाला संसार में कोई नहीं, लेकिन राम ने उसका वध किया। पीएम की भाषा रावण जैसी है, अहंकार रावण जैसा है, अहंकार हमेशा हारता है। पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव शनिवार को भिंड - दतिया लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी फूलसिंह बरैया के समर्थन में सभा के लिए उमरी पहुंचे। इससे पहले मीडिया से चर्चा में पटवारी ने कहा, अभी जो लोग प्रलोभन में बीजेपी में शामिल हुए हैं, चुनाव के बाद ये लोग कहां होंगे, यह चुनाव के बाद पता चल जाएगा।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस सत्ता में आ रही है। भिंड - दतिया सीट कांग्रेस जीत रही है।

अग्निवीर योजना को खारिज करेगी कांग्रेस, मोदी की गारंटी चाइना का माल

उमरी की चुनावी सभा में भिंड - दतिया की मौजूदा सांसद व भाजपा प्रत्याशी संध्या राय के लिए जीतू पटवारी ने कहा, कभी उन्होंने संसद में खड़े होकर पीएम मोदी से आंख में आंख डालकर किसानों, युवाओं, अग्निवीरों के लिए प्रश्न किया। अब अग्निवीर योजना में बच्चे जाना नहीं चाहते। कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि अग्निवीर योजना को खारिज कर देंगे। पुरानी भर्ती करेंगे। जो युवा अभी चार साल के लिए अग्निवीर योजना में आए हैं, उन्हें निकालेंगे नहीं, आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी चाइना का माल है।

मायावती संविधान बचाने वालों के साथ नहीं

लोकसभा प्रत्याशी फूलसिंह बरैया ने कहा, हमारी बहन मायावती कहती हैं कि हम बाबा साहब अंबेडकर के अनुयायी हैं। लेकिन, वे संविधान बचाने वालों का साथ नहीं दे रही हैं। अलग से अपना उम्मीदवार खड़ा कर रही हैं। पूर्व नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने कहा,

पं. धीरेंद्र शास्त्री के भाई ने टोलकर्मियों को पीटा

छतरपुर में गाड़ी रोककर टोल मांगा तो साथियों के साथ हमला किया

न्यूज क्राइम फाइल

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई सौरव गर्ग उर्फ शालिग्राम शास्त्री ने छतरपुर में टोलकर्मियों से मारपीट की। टोल मांगने पर उसने अपने सहयोगियों के साथ हमला किया। पुलिस ने शालिग्राम शास्त्री समेत 10 के खिलाफ केस दर्ज किया है। सभी आरोपी फरार हैं। घटना छतरपुर के गुलगंज थाना क्षेत्र में सागर रोड स्थित मंगवारी टोल प्लाजा पर गुरुवार रात की है। एसपी अगम जैन ने बताया कि शालिग्राम देर रात अपने साथियों के साथ किसी शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था। इसी दौरान टोल प्लाजा पर उसकी गाड़ी को रोककर टोल मांगा गया, इस बात पर वो भड़क गया और मारपीट कर दी। टोलकर्मियों ने जीतू तिवारी, लोकेश

उर्फ शालिग्राम गर्ग का नाम बताया था। पुलिस ने 10 लोगों पर केस दर्ज किया है।

दलित परिवार की बेटी की शादी में की थी फायरिंग

शालिग्राम इससे पहले भी विवादों में रह चुका है। छतरपुर जिले के ही गढ़ा गांव में 11 फरवरी 2023 को अहिरवार समाज की बेटी की शादी में शालिग्राम ने फायरिंग कर धमकाया था। दरअसल, परिवार ने बागेश्वर धाम के सामूहिक विवाह सम्मेलन में शादी के

लिए आवेदन दिया था, लेकिन बाद में निजी कार्यक्रम करने का फैसला किया। इसका पता चलते ही रात करीब 12 बजे शालिग्राम अपने साथियों के साथ शादी समारोह में पहुंच गया। यहां उसने उत्पात मचाया और वहां मौजूद लोगों को धमकाया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने शालिग्राम के खिलाफ स्र्क्ड्र दर्ज की थी।

मुरैना में कलेक्टर से की शिकायत; सीएमएचओ ने कहा-कमेटी बनाकर जांच कराएंगे

नर्सें बोलीं- सिविल सर्जन करते हैं अश्लील बातें

न्यूज क्राइम फाइल

मुरैना के जिला अस्पताल में नर्सों ने सिविल सर्जन पर शराब पीकर अश्लील बातें करने के आरोप लगाए हैं। नर्सों ने शनिवार को इस मामले में कलेक्टर से शिकायत की है। साथ ही थाने में भी आवेदन दिया। नर्सों ने सीएमएचओ को भी अपनी परेशानी बताई। जिस पर उन्होंने जांच कमेटी बनाने की बात कही है। वहीं आरोपी सिविल सर्जन ने आरोपों को निराधार बताया है।

ऐसे सामने आया मामला..

दरअसल, अस्पताल की एक नर्स को चार महीने से वेतन नहीं मिला है। 23 अप्रैल को वह सिविल सर्जन डॉ. गजेन्द्र सिंह तोमर के कार्यालय में मौजूद स्थापना कार्यालय में पहुंची। उसने वहां के बाबू होशियार सिंह से वेतन निकलवाने की बात कही। जिस पर बाबू होशियार सिंह ने टालमटोल किया और नर्स को सिविल सर्जन से मिलने की सलाह दी। नर्स ने कहा कि वह सिविल सर्जन से नहीं मिलना चाहती, क्योंकि वे उसे प्रताड़ित करते हैं। कुछ खर्चा-पानी चाहिए हो तो वह उसे दे देगी। इस पर बाबू होशियार सिंह बोला कि सिविल सर्जन के आदेश पर ही वेतन मिलेगा। उसने सिविल सर्जन का हवाला देकर आपत्तिजनक बात की। जिसके बाद नर्स ने अस्पताल की मेट्रन को पूरी बात बताई। उसने बताया कि सिविल सर्जन उस पर गंदी नजर रखते हैं। अस्पताल की दूसरी नर्सों को भी जब इस मामले का पता चला तो वे भी मेट्रन के पास पहुंची और अपनी-अपनी बात रखीं। नर्सों ने बताया कि सिविल सर्जन रात में शराब पीकर उन्हें फोन करते हैं। कहते हैं कि मुझसे बात करोगी तो तुम्हें इंचार्ज बना देंगे।

शिकायत करने कलेक्ट्रेट पहुंची अस्पताल की नर्सें

नर्सों की शिकायतें सुनने के बाद मेट्रन सभी नर्सों को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंची। यहां अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद को अपनी समस्याएं बताई और सिविल सर्जन डॉ. गजेन्द्र सिंह तोमर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद ने नर्सों का शिकायती आवेदन ले लिया और कहा कि सोमवार को इस संबंध में बात करेंगे।

महिला थाने और ष्टरूाह्र से भी की शिकायत

मेट्रन और नर्सें महिला थाना भी पहुंचीं। यहां आवेदन देकर सिविल सर्जन डॉ. गजेन्द्र तोमर के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। इस पर पुलिस ने आवेदन लेकर एसपी से बात करने की बात कही। इसके बाद नर्सें सीएमएचओ डॉ. राकेश शर्मा के पास पहुंची। उन्हें भी अपनी परेशानी बताई। जिस पर डॉ. राकेश शर्मा ने जांच कमेटी बनाने की बात कही है।

नौकरी जाने के डर से मुंह नहीं खोलती नर्सें

जिला अस्पताल की मेट्रन और नर्सों ने बताया कि कई नर्सों के साथ इस तरह की प्रताड़ना हुई। लेकिन नौकरी जाने के डर से किसी ने अपना मुंह नहीं खोला। अस्पताल में ज्यादातर नर्सें जिले के बाहर की हैं। यहां किराए पर कमरे लेकर रह रही हैं। जब मामला खुला तो सभी ने मेट्रन को अपनी पीड़ा बताई।

सिविल सर्जन ने आरोपों को किया खारिज

इस संबंध में जब सिविल सर्जन डॉ. गजेन्द्र सिंह तोमर से बात की तो उन्होंने नर्सों के लगाए सभी आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि नर्स जिन अवकाश का भुगतान चाह रही थीं, उनको मैंने कर दिया है। इसलिए आरोप लगाए जा रहे हैं।

सीएमएचओ ने कही जांच समिति गठित करने की बात

सीएमएचओ डॉ. राकेश शर्मा ने कहा कि ये मामला गंभीर है। वे इस मामले की जांच के लिए एक जांच समिति गठित करेंगे। जिसमें एक महिला व एक पुरुष डॉक्टर होगा।

महिलाओं ने पुलिस पर फेंकी चूड़ियां

न्यूज क्राइम फाइल

सागर के रहली में मारपीट में युवक की मौत के बाद शुक्रवार दोपहर 12 बजे परिजन ने चक्काजाम कर दिया। उन्होंने पुलिस पर कार्रवाई में पक्षपात करने का आरोप लगाया। महिलाओं ने पुलिस पर चूड़ियां फेंकी। समझाइश के बाद चक्काजाम खत्म कर दिया गया। लेकिन मृतक की मां अड़ी रही। जांच के आश्वासन के बाद शाम 4 बजे प्रदर्शन खत्म हुआ। पुलिस के अनुसार पंडलपुर के रहने वाले आशिक जलील ने शिकायत की है। उसने बताया कि गुरुवार रात वह घर से पान की दुकान पर जा रहा था। रास्ते में लालू उर्फ रविकांत ठाकुर मिला। वह गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान उसका भाई कपिल और पिता मुन्ना ठाकुर आ गए। तीनों ने मिलकर मेरे साथ मारपीट की। विवाद होते देख शाहरुख (24) ने बीचबचाव किया। आरोपी उसे पीटने लगे। मारपीट के बाद आरोपी भाग गए। शाहरुख को गंभीर चोट आई थी। उसे परिजन रहली अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रास्ते में शाहरुख की मौत हो गई।

पोस्टमॉर्टम के बाद शव रखकर चक्काजाम किया

शुक्रवार सुबह पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिवार को सौंप दिया। दोपहर में परिवार ने सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी। परिजन ने आरोप लगाते हुए कहा कि रातभर मृतक की मां और परिवार के लोग थाने में बैठे रहे, लेकिन पुलिस ने शिकायत नहीं लिखी। रहली थाना प्रभारी दबाव में काम कर रहे हैं।

पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया

एडिशनल एसपी लोकेश सिन्हा ने बताया कि मारपीट में युवक की मौत हुई है। शिकायत पर मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया है। कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है। शेष आरोपियों की तलाश की जा रही है। कार्रवाई में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं हुई है। चक्काजाम कर रहे लोगों को समझाइश दी गई है।

पत्नी जिद करती थी, पटवारी ने मार डाला

शव घर से 5 किलोमीटर दूर जबलपुर के बांध में फेंका; लापता बताकर नौकरी करता रहा

न्यूज क्राइम फाइल

जबलपुर में एक पटवारी ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी, क्योंकि वह रिश्तेदारी, शादी और दूसरे फंक्शंस में उसे और डेढ़ साल के बेटे को साथ ले जाने की जिद करती थी। मामला 22-23 अप्रैल की दरमियानी रात का कुंडम थाना इलाके का है। आरोपी पटवारी रंजीत मार्को (32) शव बाइक पर बांधकर घर से 5 किलोमीटर दूर सीतापुर बांध में फेंक आया। फिर थाने जाकर बोला, पत्नी लापता हो गई है, तलाश कीजिए। इसके बाद से आराम से नौकरी कर रहा था। पुलिस को यही बात खटकी। उसे उठाकर पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो टूट गया। महिला का शव शुक्रवार (26 अप्रैल) को बांध से बरामद हुआ। आरोपी डिंडौरी जिले की शहपुरा तहसील में पदस्थ है। एएसपी प्रदीप शेंडे ने बताया कि आरोपी ने गुमराह करने की बहुत कोशिश की। कई बार उसने अपने बयान भी बदले। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया है।

इंदौर में साथ पढ़े, प्यार हुआ, कोविड में शादी की

आरोपी रंजीत मार्को मूलतः कुंडम तहसील के ग्राम चौरई का रहने वाला है। उसके पिता रामसिंह चौरई से कुछ दूर एक गांव में सचिव हैं। रंजीत की सरला (29) से पहली मुलाकात 2019 में एक शादी समारोह के दौरान हुई थी। सरला सिवनी जिले के घंसौर की रहने वाली थी। दोनों एक ही समाज के हैं। रंजीत इंदौर में बीए की पढ़ाई कर रहा था, सरला भी यहीं से बीकॉम कर रही थी। इंदौर में दोनों में मुलाकातें होने लगीं। 2021 में कोविड के दौरान परिवार के कुछ लोगों की मौजूदगी में दोनों ने शादी कर ली। इसके बाद रंजीत की पटवारी के पद पर नौकरी लग गई। रंजीत पहले डिंडौरी मुख्यालय पर पदस्थ था। बाद में उसने अपना ट्रांसफर शहपुरा तहसील करा लिया। यहां से उसके गांव चौरई की दूरी 30 किलोमीटर है। वह रोजाना अप-डाउन करता था।

शादी के एक साल बाद विवाद

शादी के शुरुआती एक साल रंजीत घूमने या फिर किसी सरकारी काम से जबलपुर या भोपाल जाया करता था, तो अपने साथ सरला को जरूर ले जाता। शादी के दो साल बाद सरला ने बेटे को जन्म दिया। वह रंजीत से इसलिए नाराज थी कि अब जब कभी भी रिश्तेदारी में जाया करता था तो उसे साथ में लेकर नहीं जाता था। पिता ने भी बेटे रंजीत को समझाया कि बहू को साथ ले जाया करो, लेकिन वह नजरअंदाज करने लगा। घटना के एक हफ्ते पहले भी पति-पत्नी में झगड़ा हुआ। रंजीत ने सरला पर हाथ उठा दिया था।

यूट्यूब पर सर्च किया शव ठिकाने लगाने का तरीका

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 16 अप्रैल को रिश्तेदारी में शादी थी। वह सरला को साथ नहीं ले गया। इस बात पर दोनों में झगड़ा हुआ। पांच दिन से हर दिन सरला उससे विवाद कर रही थी, इसीलिए उसने हत्या का प्लान बनाया। यूट्यूब पर सर्च किया कि बॉडी को पत्थर से बांधकर पानी में फेंक दो, तो वह ऊपर नहीं आती।

मोबाइल रास्ते में फेंका, ताकि पुलिस गुमराह होती रहे

पूछताछ में रंजीत ने पुलिस को बताया कि 22 अप्रैल की रात 9 बजे वह घर आया तो पत्नी ने फिर झगड़ा किया। पिता ने समझाकर शांत कराया। रात 11 बजे कमरे में फिर कहासुनी हुई। उसने गला घोंटकर पत्नी की हत्या कर दी। शव सफेद पॉलीथिन में डाला और सभी के सो जाने का इंतजार करने लगा। तड़के 3 बजे बाइक पर शव बांधा और घर से 5 किलोमीटर सीतापुर डैम ले गया। इस समय सुबह के 4 बज चुके थे। ग्रामीणों की चहलकदमी देख उसने शव को पानी में चट्?टानों के बीच झाड़ियों से ढंक दिया। आरोपी ने पत्नी का मोबाइल घर से कुछ दूर रास्ते में फेंक दिया था, जिससे कि पुलिस को मोबाइल की लोकेशन घर से दूर मिले। लगे कि वह कहीं चली गई है। 23 अप्रैल की सुबह 11 बजे कुंडम थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस को सरला की फोटो देते हुए बताया कि 22 अप्रैल की रात वह बिना कुछ बताए अपना मोबाइल लेकर कहीं चली गई है। डेढ़ साल का बच्चा घर पर ही है।

पत्नी लापता, पति कर रहा था नौकरी...

पुलिस में शिकायत करने के बाद आरोपी नौकरी पर जाने लगे। पुलिस को उस पर शक हुआ। एएसपी प्रदीप शेंडे ने बताया कि पुलिस टीम चौरई गांव पहुंची। सरला को मोबाइल गांव के पास की रोड पर चालू हालत में मिला। गांव में पूछताछ की तो पति-पत्नी के बीच झगड़े की बात सामने आई। कुंडम थाना प्रभारी अनूप नामदेव ने बताया कि रंजीत को थाने आने का कहा तो वह काम का बहाना बनाने लगा। इसके बाद फिर पुलिस उसके गांव पहुंची और उसे हिरासत में लेकर थाने आई। रंजीत की निशानदेही पर एसडीआरएफ की टीम ने डैम में डूबे सरला के शव को पानी से बाहर निकाला। पॉलिथीन में पत्थर भरे हुए थे।

पहले चरण में कम वोटिंग से टेंशन में भाजपा हाईकमान

अमित शाह ने देर रात तक की चुनावी तैयारियों की समीक्षा, विधायकों की रिपोर्ट मंगाई

इन सीटों पर तीसरे चरण में चुनाव

लोकसभा सीट	बीजेपी प्रत्याशी	कांग्रेस प्रत्याशी
भिंड	संध्या राय	फूल सिंह बरैया
मुरैना	शिवमंगल सिंह तोमर	सत्यपाल सिंह सिकरवार
ग्वालियर	भारत सिंह कुशवाह	प्रवीण पाठक
गुना	ज्योतिरादित्य सिंधिया	यादवेन्द्र यादव
सागर	लता वानखेड़े	चंद्रभूषण सिंह बुन्देला
विदिशा	शिवराज सिंह चौहान	प्रतापभानु शर्मा
भोपाल	आलोक शर्मा	अरुण श्रीवास्तव
राजगढ़	रोडमल नागर	दिग्विजय सिंह

न्यूज क्राइम फाइल

लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच भाजपा के मुख्य रणनीतिकार गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार रात भोपाल आए और देर रात तक मप्र की चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। प्रदेश में पहले चरण में छिंदवाड़ा सहित 6 सीटों पर हुए मतदान में वोटिंग प्रतिशत कम रहने से भाजपा हाईकमान चिंतित हैं। यदि अगले चरणों में इसी तरह कम मतदान हुआ तो हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने और सभी 29 सीटें जीतने का टारगेट पूरा होना मुश्किल है।

बनेगा हर विधायक का रिपोर्ट कार्ड

शाह ने पहले चरण में कम मतदान पर नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा सहित अन्य नेताओं को स्पष्ट शब्दों में कहा कि पार्टी के विधायक सक्रिय नहीं हैं। हर विधायक को बता दीजिए कि लोकसभा चुनाव के परिणाम के आधार पर रिपोर्ट कार्ड बनेगा और उसके आधार पर उनका राजनीतिक भविष्य तय होगा।

हर विधायक के बारे में जानकारी मंगाई

देर रात तक चली इस बैठक में अमित शाह ने पहले चरण में 6 सीटों पर हुई वोटिंग में विधानसभावार स्थिति पर भी बात की। भाजपा सूत्रों के अनुसार भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व हर लोकसभा क्षेत्र में बूथ स्तर तक नेताओं और कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर नजर रखे हुए है। हर विधायक के बारे में यह जानकारी इकट्ठा की जा रही है कि वह अपने क्षेत्र में कितना सक्रिय है और इनकी इस सक्रियता की तुलना 2023 के विधानसभा चुनाव में उनकी सक्रियता से की जा रही है।

नरोत्तम मिश्रा से ली न्यू ज्वाइनिंग की जानकारी

अमित शाह ने पार्टी की न्यू ज्वाइनिंग टोली के प्रभारी नरोत्तम मिश्रा से फोन पर पार्टी में अन्य दलों से आए नेताओं की जानकारी ली। उनसे राजगढ़ लोकसभा सीट को लेकर भी पूछा। नरोत्तम राजगढ़ लोकसभा के प्रभारी हैं। मिश्रा ने उन्हें बताया कि आज ही राजगढ़ में 2000 कांग्रेसियों ने भाजपा की सदस्यता ली है।

चुनिंदा नेताओं को बुलाया, बाकी से फोन पर बात की

अमित शाह को रात 8:30 बजे भोपाल पहुंचना था, लेकिन वे रात 11.45 बजे पहुंचे। स्टेट हैंगर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय और चुनाव समिति संयोजक हेमंत खंडेलवाल ने अमित शाह का स्वागत किया। शुरुआत में 10-15 नेताओं के उनसे मिलने की संभावना थी। कहा जा रहा था कि प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के अलावा वे लोकसभा चुनाव के लिए बने क्लस्टर प्रभारियों से भी मिलेंगे। लेकिन रात हो जाने से केवल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और लोकसभा प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह व सह प्रभारी सतीश उपाध्याय से ही उनकी मुलाकात हुई।

गुना एवं राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र में करेंगे सभाएं

अमित शाह कल यानी शुक्रवार को गुना और राजगढ़ में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। गुना से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और राजगण से रोडमल भाजपा प्रत्याशी हैं। शाह सुबह भोपाल से हेलिकॉप्टर से गुना लोकसभा क्षेत्र के पिपरई (जिला अशोकनगर) पहुंचेंगे। यहां वे गुना से बीजेपी के प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। अशोकनगर की सभा के बाद वे राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र के खिलचीपुर पहुंचेंगे। यहां वे बीजेपी प्रत्याशी रोडमल नागर के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे।

7 मई को गुना राजगढ़ में मतदान

मप्र में तीसरे चरण में जिन 8 सीटों पर मतदान होना है। उनमें गुना, राजगढ़ के अलावा भिंड, मुरैना, ग्वालियर, सागर, विदिशा और भोपाल में वोटिंग होगी। राजगढ़ से पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

शिवराज बोले-पित्रोदा का बयान कांग्रेस का हिडेन एजेंडा

न्यूज क्राइम फाइल

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के विरासत टैक्स वाले बयान पर बीजेपी हमलावर है। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा- सैम पित्रोदा सामान्य कांग्रेसी नहीं हैं। वे राहुल गांधी के गुरु हैं। अब जब देश में विरोध हुआ तो कांग्रेस ने बचने का रास्ता ढूंढा है। लेकिन, उनका हिडेन एजेंडा जनता के सामने आ गया है। शुक्रवार को पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में अपने आवास पर मीडिया से चर्चा की। कहा- राहुल गांधी और सैम पित्रोदा गुरु और चेले हैं। सैम पित्रोदा स्वर्गीय राजीव गांधी के भी सलाहकार रहे हैं। सैम पित्रोदा जैसे लोग ही कांग्रेस को विचार देते हैं। जिसको कांग्रेस क्रियान्वित करती है। कांग्रेस अगर सत्ता में आई तो विरासत टैक्स लगा देगी। वे अमेरिका के उदाहरण देते हैं। अमेरिका जैसे देशों में यह प्रावधान है कि अगर मृत्यु हो जाए तो संपत्ति का 55% हिस्सा सरकार अपने पास ले लेगी।

लेकिन, सैम पित्रोदा जी, यह अमेरिका नहीं भारत है। भारत की संस्कृति, भारत के जीवन मूल्य, भारत की परंपराएं अमेरिका की नहीं हैं। भारत, भारत है। यहां किसान हो या गरीब हो वह भी अपना पेट काट-काट कर थोड़े पैसे इसलिए बचाते हैं ताकि उनकी मृत्यु के बाद बच्चों के कुछ देकर जाएं। लेकिन कांग्रेस विरासत टैक्स लगाकर इस परंपरा को खत्म करना चाहती है।

इंदिरा गांधी के निधन के बाद राजीव गांधी ने यह टैक्स खत्म किया था

शिवराज सिंह चौहान ने कहा- यह टैक्स पहले था लेकिन जनता के दबाव में कांग्रेस ने इसको उस समय समाप्त किया था।

इनका एक ही एजेंडा- सरकार बनाओ, नोट कमाओ; इनकी सोच में तुष्टिकरण

मोदी बोले- इंडिया गठबंधन 5 वर्षों में पांच पीएम बनाएगा

संदीप कुमार यादव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार 27 अप्रैल को महाराष्ट्र के कोल्हापुर और गोवा के वास्को में सभाएं कीं। पहले कोल्हापुर गए। यहां एक बार फिर कहा- कांग्रेस की सरकार आई तो वो महिलाओं के सोने-चांदी की जांच करवाएगी और इसे अल्पसंख्यकों में बांट देगी। सीएम ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आई तो ये सीएए को खत्म कर देंगे। कश्मीर में धारा 370 को वापस लाएंगे। ये वो लोग हैं जिन्होंने अयोध्या में राम मंदिर बनने का विरोध किया। इतना ही नहीं तमिलनाडु में इनकी करीबी पार्टी डीएमके के नेता डेंगू और मलेरिया से तुलना कर सनातन धर्म को बदनाम कर रही है। महाराष्ट्र में इन्हें सम्मान के साथ बुलाया जाता है। अब ये फॉर्मूला निकालने में लगे हैं कि एक साल एक पीएम। यानी, पांच साल में पांच प्रधानमंत्री। ये देश कभी सहन करने वाला नहीं है। इनका एक ही एजेंडा है- सरकार बनाओ, नोट कमाओ।

बीजेपी और एनडीए 2.0 से आगे चल रहे हैं

सीएम बोले- कोल्हापुर, महाराष्ट्र का फुटबॉल हब है। फुटबॉल यहां के युवाओं में बहुत पॉपुलर है। इसलिए मैं फुटबॉल की भाषा में कहूं तो कल दूसरे चरण का मतदान पूरा होने के बाद बीजेपी और एनडीए 2.0 से आगे चल रहे हैं। कांग्रेस और इंडी अलायंस ने देश विरोधी

और नफरत की राजनीति के दो सेल्फ गोल कर लिए हैं इसलिए ये पक्का हो गया है कि फिर एक बार मोदी सरकार।

कांग्रेस धारा 370 बहाल करना चाहती है

प्रधानमंत्री ने कहा- जब कांग्रेस और उसके दोस्तों को एहसास हुआ कि वे एनडीए के विकास के ट्रैक रिकॉर्ड का मुकाबला नहीं कर सकते, तो उन्होंने अपनी रणनीति बदल दी। वे राष्ट्रविरोधी एजेंडे और तुष्टीकरण का इस्तेमाल कर रहे हैं। अब, कांग्रेस का एजेंडा है कि वे कश्मीर में धारा 370 को फिर से बहाल करेंगे। मोदी ने कहा- ये लोग कह रहे हैं कि इनकी सरकार बनी तो ये लोग सीएए रद्द कर देंगे। क्या ये देश इनको करने देगा। जिन लोगों के तीन अंकों में लोकसभा सीट जीतने के लाले पड़ हो। क्या ये इंडिया गठबंधन सरकार के दरवाजे तक पहुंच सकते हैं? अब ये फॉर्मूला निकालने में लगे हैं कि एक साल एक पीएम। यानी, पांच साल में पांच प्रधानमंत्री। ये देश कभी सहन करने वाला नहीं है।

कांग्रेस ने राम मंदिर बनाने का विरोध किया

प्रधानमंत्री ने कहा- अयोध्या में राम मंदिर का 500 साल पुराना सपना पूरा हुआ है। दशकों तक राम मंदिर को बनने से रोकने वाली कांग्रेस ने उसका भी बहिष्कार किया। कांग्रेस वालों ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को भी ठुकरा दिया। जबकि अयोध्या के अंसारी और उनका परिवार, जो जिंदगीभर राम मंदिर के विरुद्ध अदालत में केस लड़ता रहा, लेकिन जब न्यायालय ने कहा कि ये राम मंदिर है। तो अंसारी खुद राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में मौजूद रहे।

कांग्रेस की करीबी सनातन को डेंगू-मलेरिया कहती है

कांग्रेस की काफी करीबी डीएमके पार्टी डेंगू और मलेरिया से तुलना कर सनातन धर्म को बदनाम कर रही है। जो लोग सनातन धर्म को नष्ट करने की बात करते हैं, उन्हें इंडिया अलायंस ने महाराष्ट्र में आमंत्रित किया है और उनका यहां स्वागत किया जाता है। इंडिया अलायंस वोट बैंक की राजनीति में इतना नीचे गिर गया है कि उन्होंने औरंगजेब को मानने वाले लोगों के साथ गठबंधन किया है।

विपक्ष का एजेंडा- सरकार बनाओ, नोट कमाओ

कांग्रेस और इंडी अघाड़ी का एक ही एजेंडा है- सरकार बनाओ, नोट कमाओ। जबकि हमने देश के विकास के लिए काम किया है। एनडीए ने युवाओं और महिलाओं को केन्द्र में रखकर काम किया। एनडीए ने आत्मनिर्भर भारत अभियान चलाया ताकि देश में उद्योग बढ़े। याकूब मेनन की कब्र को संवारने वाले लोग से आप कोल्हापुर, महाराष्ट्र का भाग्य बदलने की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। इसलिए कोल्हापुर से एनडीए के उम्मीदवार को भारी मतों से जिताकर

दुर्गापुर में हुई घटना, पिछले महीने घर में गिर जाने से माथे पर चोट लगी थी

ममता बनर्जी हेलिकॉप्टर में चढ़ते समय लड़खड़ाकर गिरीं

न्यूज क्राइम फाइल

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शनिवार (27 अप्रैल) को हेलिकॉप्टर में चढ़ने के दौरान लड़खड़ाकर गिर गईं। ये हादसा पश्चिम बर्धमान के दुर्गापुर में हुआ। ममता वहां चुनाव प्रचार करने गई थीं। घटना का वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि ममता अपनी कार से निकलकर हेलिकॉप्टर में चढ़ रही थीं। इसी दौरान हेलिकॉप्टर के गेट पर उनका पैर स्लिप हो गया और वो गिर गईं। ममता के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें संभाला। हालांकि उन्हें हल्की चोट लगी है। घटना के बाद ममता ने अपनी चुनावी यात्रा जारी रखी। दुर्गापुर के बाद वो आसनसोल के लिए रवाना हुईं। इसके पहले ममता बनर्जी 14 मार्च को कोलकाता में अपने घर में गिर गई थीं। वर्धमान लोकसभा सीट पर टीएमसी के प्रत्याशी कीर्ति आजाद और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष के बीच मुकाबला है।

मार्च में ममता घर के अंदर गिर गई थीं, माथे पर चोट लगी थी

ममता 14 मार्च को कोलकाता स्थित अपने घर में गिरने से गंभीर रूप से चोटिल हो गई थीं। ञस्क्ष्ट ने बताया कि उनके माथे पर गंभीर और गहरी चोट आई थी। इसके बाद भतीजे अभिषेक बनर्जी उन्हें स्स्हरूअस्पताल ले गए, जहां उन्हें कुछ टांके लगे थे। सीएम मीडिया कोऑर्डिनेटर ने बताया था, मुख्यमंत्री अपने घर में चलते हुए फिसल गईं और शो पीस पर गिरने के चलते उन्हें चोट लग गई थी।

जनवरी में भी ममता के सिर पर चोट लगी थी

ममता को इस साल जनवरी में भी सिर पर चोट लगी थी। वह 24 जनवरी को सड़क मार्ग से बर्धमान से कोलकाता लौट रही थीं। तेज बारिश हो रही थी। धुंध की वजह से अचानक कार के ब्रेक लगाने से ममता का सिर टकरा गया था, जिससे हल्की चोट आई थी।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623